MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

PG Programme Outcomes

आचार्य (ACHARYA)

1. संस्कृतसाहित्यस्य सम्यक्ज्ञानं वेदाङ्गस्य ज्ञानं तथा च धर्माधर्मयोर्विचारे समर्था भविष्यन्ति।
2. आचार्योपाधिं प्राप्य शासकीयाशासकीयेषु संस्थासु शिक्षका भवितुमर्हन्ति।
3. छात्राः श्रेष्ठनागरिकरूपेण राष्ट्रस्य सुदृढीकरणे विकासे च अवदानं दातुं योग्या भविष्यन्ति।
4. छात्राः शास्त्रार्थे पण्डिताः तार्किकाः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।
5. छात्राः संस्कृतशिक्षायाः संरक्षणाय प्रचाराय च योगदानं प्रदास्यन्ति।
6. छात्राः भारतीयसेनायां धर्मगुरवः भवितुं योग्याः भवन्ति।
7. छात्राः भारतीयसंस्कृतेः मानवमूल्यानां भारतस्य गौरवपूर्णेतिहासस्य च परिचयं ज्ञातुं समर्था भविष्यन्ति।
8. सरलसंस्कृतभाषायां निपुणा भविष्यन्ति।
9. NET, SET, CTET, MPSET इत्यादीनां परीक्षाणां विषये दक्षा भविष्यन्ति।
10. नवीनशिक्षानीत्यनुसारेण विविधवृत्तिग्रहणे दक्षा भविष्यन्ति।
11. NEP 2020 अन्तर्गतानां विभिन्नविषयाणां समावेसो जायते छात्राश्च स्वरुच्यनुगुणं ज्ञानसम्पादने दक्षा भविष्यन्ति।

M.A.

1. छात्रों को संस्कृत साहित्य के गूढ़ विषयों का ज्ञान होगा, वेदों का ज्ञान होगा और वे धर्म और अधर्म का विचार करने में सक्षम होंगे।
2. स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करने के बाद वे सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में शिक्षक बन सकते हैं।
3. छात्र बेहतर नागरिक के रूप में राष्ट्र की सुदृढ और उसके विकास में योगदान देने के लिए योग्य होंगे।
4. विद्यार्थियों को शास्त्रार्थी विद्वान, कुशल तर्कशास्त्री, कुशल शिक्षक, कुशल वक्ता और लेखक बन सकेंगे।
5. छात्र संस्कृत शिक्षा के संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान दे सकेंगे।
6. छात्र भारतीय सेना में धर्मगुरु बनने योग्य होंगे।
7. छात्र भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों और भारत के गौरवशाली इतिहास के बारे में जान सकेंगे।
8. सरल संस्कृत भाषा में निपुण होंगे।
9. NET, SET, CTET, MPSET में दक्ष होंगे।
10. छात्र नई शिक्षा नीतियों के अनुसार विभिन्न करियर अपनाने में सक्षम होंगे।
11. NEP 2020 के तहत विभिन्न विषयों को शामिल किया है, जिससे छात्र अपनी रुचि के अनुसार विषय चयन कर ज्ञान प्राप्त करने में कुशल होंगे।

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

PG Programme Outcomes

M.Sc.

1. Students can conduct research in Yogic Science and Yoga therapy – utilizing the traditional text-based knowledge along with modern science and its corelation with the help of basics of Ayurveda.
2. They can become experienced yoga teachers, yoga therapists and yoga practitioners.
3. They will be able to use yogic techniques from Astanga yoga, Hathayoga, Ghatayoga and such for treatment of various diseases. They will have the knowledge of food and lifestyle, mind body management techniques.
4. Understanding the Sanskrit literature & Indian philosophy.
5. They can become teacher and lecturer after the completion of the programme.
6. They can go for permanent lectureship after UGC – NET.
7. To learn various aspects of yoga to maintain positive health.
8. Learn the specifics of various yoga poses, breathing exercises, cleansing processes and meditative practices with Anatomical perspective.
9. Understand the physiological, psychological, emotional effects of yogic practices.
10. Learn the concept of yogic diet through diet and nutrition and its importance and corelation with the yoga practices.